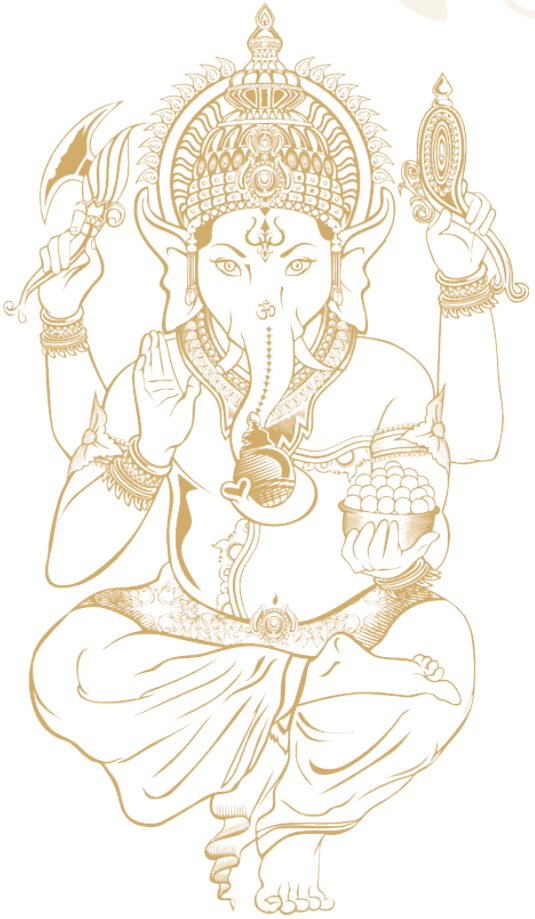

Dipa

01 Feb 2012

05:01 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121156402

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31-01/02/2012**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**05:01:00 घंटे**
इष्ट	56:09:13 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:11:00 घंटे
वेलान्तर	-00:13:21 घंटे
साम्पातिक काल	13:53:23 घंटे
सूर्योदय	06:33:18 घंटे
सूर्यास्त	17:33:39 घंटे
दिनमान	11:00:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	17:28:00 मकर
लग्न के अंश	21:56:30 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुक्ल
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोचन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	21:56:30	358:00:42	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
सूर्य			मक	17:28:00	01:00:55	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	26:11:14	11:51:18	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
मंगल	व		सिंह	28:39:27	00:06:09	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
बुध		अ	मक	12:57:40	01:40:48	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
गुरु			मेष	08:36:29	00:07:03	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	27:20:51	01:11:33	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि			तुला	05:26:19	00:00:42	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	उच्च राशि
राहु			वृश्चि	18:23:49	00:00:41	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु			वृष	18:23:49	00:00:41	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
हर्ष			मीन	07:45:07	00:02:27	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
नेप			कुंभ	05:51:57	00:02:11	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
प्लूटो			धनु	14:20:52	00:01:52	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			तुला	06:25:53	--	चित्रा	--	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:51

लग्न-चलित

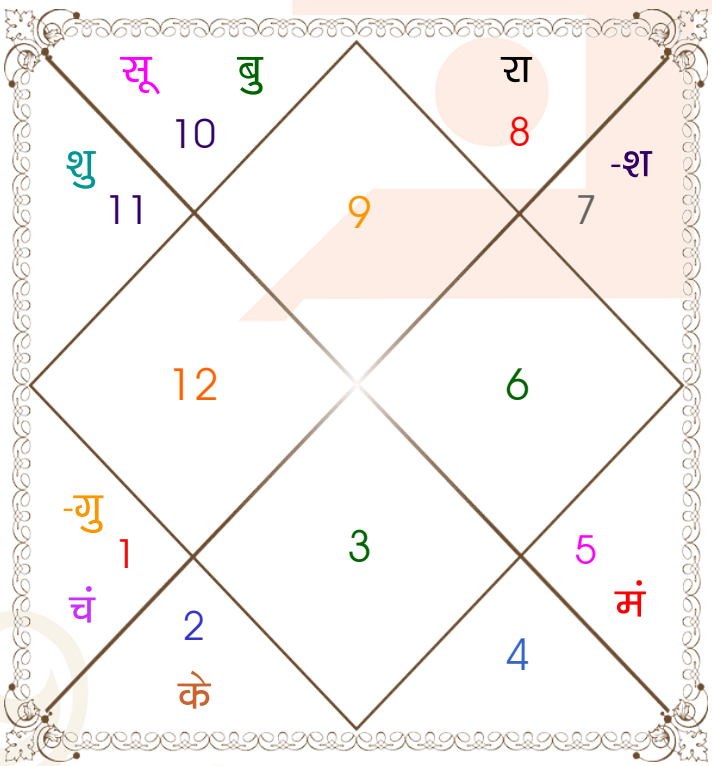

चन्द्र कुंडली

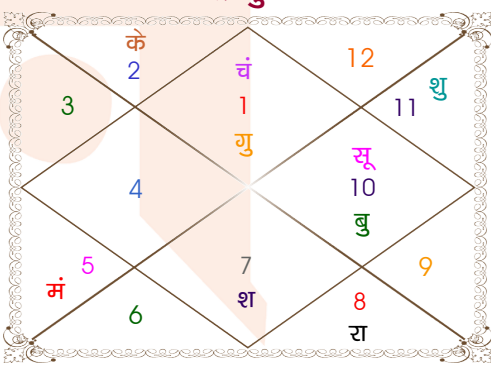

नवमांश कुंडली

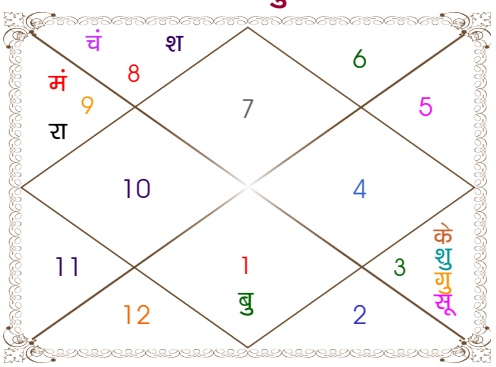

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 8 मास 19 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/02/2012		20/10/2012		21/10/2018		20/10/2028		21/10/2035	
20/10/2012		21/10/2018		20/10/2028		21/10/2035		21/10/2053	
	00/00/0000	सूर्य	07/02/2013	चंद्र	21/08/2019	मंगल	18/03/2029	राहु	03/07/2038
	00/00/0000	चंद्र	09/08/2013	मंगल	21/03/2020	राहु	06/04/2030	गुरु	26/11/2040
	00/00/0000	मंगल	14/12/2013	राहु	20/09/2021	गुरु	13/03/2031	शनि	03/10/2043
	00/00/0000	राहु	08/11/2014	गुरु	20/01/2023	शनि	21/04/2032	बुध	21/04/2046
	00/00/0000	गुरु	27/08/2015	शनि	20/08/2024	बुध	18/04/2033	केतु	10/05/2047
	00/00/0000	शनि	08/08/2016	बुध	20/01/2026	केतु	14/09/2033	शुक्र	09/05/2050
	00/00/0000	बुध	15/06/2017	केतु	21/08/2026	शुक्र	14/11/2034	सूर्य	03/04/2051
	01/02/2012	केतु	21/10/2017	शुक्र	21/04/2028	सूर्य	22/03/2035	चंद्र	02/10/2052
केतु	20/10/2012	शुक्र	21/10/2018	सूर्य	20/10/2028	चंद्र	21/10/2035	मंगल	21/10/2053

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/10/2053		21/10/2069		20/10/2088		22/10/2105		21/10/2112	
21/10/2069		20/10/2088		22/10/2105		21/10/2112		02/02/2132	
गुरु	09/12/2055	शनि	23/10/2072	बुध	19/03/2091	केतु	20/03/2106	शुक्र	21/02/2116
शनि	21/06/2058	बुध	03/07/2075	केतु	15/03/2092	शुक्र	20/05/2107	सूर्य	20/02/2117
बुध	26/09/2060	केतु	11/08/2076	शुक्र	14/01/2095	सूर्य	25/09/2107	चंद्र	22/10/2118
केतु	02/09/2061	शुक्र	12/10/2079	सूर्य	20/11/2095	चंद्र	25/04/2108	मंगल	22/12/2119
शुक्र	03/05/2064	सूर्य	23/09/2080	चंद्र	21/04/2097	मंगल	21/09/2108	राहु	22/12/2122
सूर्य	19/02/2065	चंद्र	24/04/2082	मंगल	18/04/2098	राहु	09/10/2109	गुरु	22/08/2125
चंद्र	21/06/2066	मंगल	03/06/2083	राहु	06/11/2100	गुरु	15/09/2110	शनि	21/10/2128
मंगल	28/05/2067	राहु	09/04/2086	गुरु	11/02/2103	शनि	25/10/2111	बुध	22/08/2131
राहु	21/10/2069	गुरु	20/10/2088	शनि	22/10/2105	बुध	21/10/2112	केतु	02/02/2132

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 8 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल में हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन की आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट महिला है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत की अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगी।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहती हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करती रहेंगी। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहती हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाती हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखती हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहती हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठानी पड़ती है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करती हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी की शिकार बनती हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाती हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहती हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहती हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहती हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहती हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकती हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन की स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकती हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहती हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं।

आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो

बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगी।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।